Q प्रयाग प्रशस्ति के आधार पर समुद्रगुप्त की उपलब्धियों का वर्णन करें।

चन्द्रगुप्त प्रथम के पश्चात लिच्छवी राजकुमारी कुमारदेवी से उत्पन्न उसके पुत्र समुद्रगुप्त गुप्तसाम्राज्य की गद्दी पर बैठा। वह न केवल गुप्तवंश के बल्कि सम्पूर्ण भारतीय इतिहास के महानतम शासकों में गिना जाता है। निःसंदेह समुद्रगुप्त का काल गुप्त साम्राज्य के राजनैतिक और संस्कृतिक दृष्टिकोण से उत्कर्ष का काल माना जाता है। वह अपनी आंतरिक स्थिति सुदृढ़ करने के पश्चात सैनिक अभियान आरम्भ किया। यद्यपि समुद्रगुप्त के राज्यारोहण तक गुप्त वंश का शासन स्थापित हो चुका था, फिर भी गुप्तों की सत्ता अत्यंत ही दुर्बल स्थिति में थी। पुरे देश में विभिन्न राजनीतिक इकाईयाँ मौजूद थी। यह समय समुद्रगुप्त जैसे महत्वाकांक्षी सम्राट के लिए यह उचित समय था कि छोटे-छोटे राज्यों को एक सूत्र में बाँधकर पुनः राजनीतिक एकता स्थापित किया जाए। इसी उद्देश्य से वह दिग्विजय की नीति अपनाई।

समुद्रगुप्त के इतिहास जानने का प्रमुख स्रोत उसका ~~अ~~ प्रयाग प्रशस्ति है। इस प्रशस्ति को समुद्रगुप्त

Scanned with CamScanner

के संधिविग्रहिक सचिव (शांति और युद्ध काल का मंत्री) हरिषेण द्वारा सम्भवतः कौशाम्बी में अशोक स्तम्भ पर उसके अभिलेख के नीचे उत्कीर्ण करवाया था। क्योंकि इस स्तम्भ को सम्राट अशोक ने कौशाम्बी के बौद्ध संघों को टूटने से रोकने के लिए एक ~~चेतना~~ चेतावनी ~~के~~ संदेश उत्कीर्ण करने के लिए स्थापित किया था जिसपर हरिषेण ने अशोक लेख के नीचे समुद्र गुप्त के बारे में लेख अंकित करवाया। जिसे मध्यकाल में मुगल शासक अकबर ने कौशाम्बी से निकालकर इलाहाबाद (प्रयाग) ~~को~~ अपने किले में रखा। जिसपर ~~असका~~ अकबर के दरबारी बीरबल का लेख भी अंकित है यह स्तम्भ लेख कौशाम्बी मे था। जिसे मध्य काल में प्रयाग में लाया गया होगा, इस बात की पुष्टि इससे भी होती है कि ह्वेन सांग अपने प्रयाग विवरण में इस स्तम्भ लेख की चर्चा नहीं करता है चूंकि यह लेख वर्तमान समय में प्रयाग में स्थित है इसलिए इस लेख को प्रयाग प्रशस्ति कहा जाता है।

प्रयाग प्रशस्ति स्तम्भ में अशोक के लेख के नीचे समुद्रगुप्त का लेख अंकित है। इसकी लिपि ब्राह्मी तथा भाषा संस्कृत है। प्रयाग प्रशस्ति के प्रारम्भिक पंक्तियाँ पद्यात्मक तथा बाद की पंक्तियाँ गद्यात्मक हैं यह लेख समुद्रगुप्त के जीवन काल का लेख है

व्याख्यान जारी / continue

Scanned with CamScanner